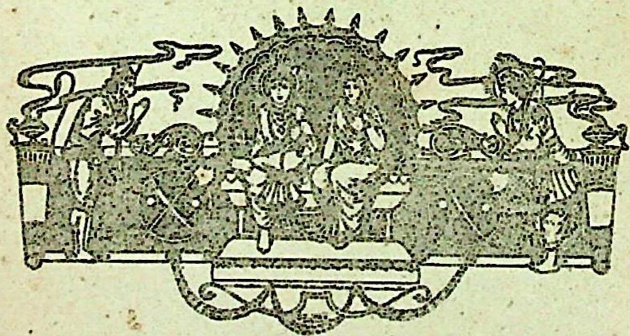
श्रीसीतारामभजन



मूल्य पँनीस पैसे



श्रीसीताराममभजन

माता रामो मत्पिता रामचन्द्रः स्वामी रामो मत्सखा रामचन्द्रः ।
सर्वस्वं मे रामचन्द्रो दयालुर्नान्यं जाने नैव जाने न जाने ॥

प्रकाशक—गोविन्दभवन-कार्यालय, गीताप्रेस, गोरखपुर

संवत्	१९८९	से	२०३८ तक	४६,१५,०००
संवत्	२०३९	चौरासीवाँ	संस्करण	१,००,०००
संवत्	२०४०	पचासीवाँ	संस्करण	२,००,०००
			कुल	४९,१५,०००

उनचास लाख पंद्रह हजार

मूल्य पैंतीस पैसे

मुद्रक—गीताप्रेस, गोरखपुर

ॐ

श्रीसीतारामचन्द्राभ्यां नमः

सकल कामना हीन जे राम भगति रस लीन।
नाम सुप्रेम पियूष ह्रद तिन्हहुँ किए मन मीन ॥ १ ॥
अस प्रभु दीनबंधु हरि कारन रहित दयाल।
तुलसिदास सठ तेहि भजु छाड़ि कपट जंजाल ॥ २ ॥
श्रीरघुबीर प्रताप तें सिंधु तरे पाषान।
ते मतिमंद जे राम तजि भजहिं जाइ प्रभु आन ॥ ३ ॥

रामचंद्र के भजन बिनु जो चह पद निर्वान ।
ग्यानवंत अपि सो नर पसु बिनु पूँछ बिषान ॥ ४ ॥
बारि मथें घृत होइ बरु सिकता ते बरु तेल ।
बिनु हरि भजन न भव तरिअ यह सिद्धांत अपेल ॥ ५ ॥
राम नाम मनिदीप धरु जीह देहरीं द्वार ।
तुलसी भीतर बाहेरहुँ जौं चाहसि उजिआर ॥ ६ ॥
जाति हीन अघ जन्म महि मुक्त कीन्हि असि नारि ।
महामंद मन सुख चहसि ऐसे प्रभुहि बिसारि ॥ ७ ॥

काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पंथ ।
सब परिहरि रघुबीरहि भजहु भजहिं जेहि संत ॥ ८ ॥
तब लगि कुसल न जीव कहुँ सपनेहुँ मन बिश्राम ।
जब लगि भजत न राम कहुँ सोक धाम तजि काम ॥ ९ ॥
निसिचर अधम मलाकर ताहि दीन्ह निज धाम ।
गिरिजा ते नर मंदमति जे न भजहिं श्रीराम ॥१०॥
यह कलिकाल मलायतन मन करि देखु बिचार ।
श्रीरघुनाथ नाम तजि नाहिन आन अधार ॥११॥

सिव बिरंचि कहुँ मोहइ को है बपुरा आन ।
अस जियँ जानि भजहिं मुनि माया पति भगवान ॥१२॥
पुरुष नपुंसक नारि वा जीव चराचर कोइ ।
सर्ब भाव भज कपट तजि मोहि परम प्रिय सोइ ॥१३॥
बिनु बिस्वास भगति नहिं तेहिं बिनु द्रवहिं न रामु ।
राम कृपा बिनु सपनेहुँ जीव न लह बिश्रामु ॥१४॥
कृतजुग त्रेताँ द्वापर पूजा मख अरु जोग ।
जो गति होइ सो कलि हरि नाम ते पावहिं लोग ॥१५॥

कलिजुग सम जुग आन नहिं जौं नर कर बिस्वास ।
गाइ राम गुन गन बिमल भव तर बिनहिं प्रयास ॥१६॥
हरि माया कृत दोष गुन बिनु हरि भजन न जाहिं ।
भजिअ राम तजि काम सब अस बिचारि मन माहिं॥१७॥
सेवक सेव्य भाव बिनु भव न तरिअ उरगारि ।
भजहु राम पद पंकज अस सिद्धांत बिचारि ॥१८॥
जो चेतन कहँ जड़ करइ जड़हि करइ चैतन्य ।
अस समर्थ रघुनायकहि भजहिं जीव ते धन्य ॥१९॥

मसकहि करइ बिरंचि प्रभु अजहिं मसक ते हीन ।
अस बिचारि तजि संसय रामहिं भजहिं प्रबीन ॥२०॥

चौपाई

महामंत्र जोइ जपत महेसू ।
कासीं मुकुति हेतु उपदेसू ॥ १ ॥
महिमा जासु जान गनराऊ ।
प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ ॥ २ ॥
जान आदिकबि नाम प्रतापू ।

भयउ सुद्ध करि उलटा जापू ॥ ३ ॥
सुक सनकादि सिद्ध मुनि जोगी ।
नाम प्रसाद ब्रह्मसुख भोगी ॥ ४ ॥
नाम जपत प्रभु कीन्ह प्रसादू ।
भगत सिरोमनि भे प्रहलादू ॥ ५ ॥
ध्रुवँ सगलानि जपेउ हरि नाऊँ ।
पायउ अचल अनूपम ठाऊँ ॥ ६ ॥
सुमिरि पवनसुत पावन नामू ।

अपने बस करि राखे रामू ॥ ७ ॥
अपतु अजामिलु गजु गनिकाऊ ।
भए मुकुत हरिनाम प्रभाऊ ॥ ८ ॥
भायँ कुभायँ अनख आलसहूँ ।
नाम जपत मंगल दिसि दसहूँ ॥ ९ ॥
कहौं कहाँ लगि नाम बड़ाई ।
रामु न सकहिं नाम गुन गाई ॥१०॥

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम

सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम
सीताराम	सीताराम	सीताराम